रिपोर्ट

हिंदी विभाग, श्याम लाल कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय

'कविता कैसे पढ़ें' शृंखला के तहत वरिष्ठ कवि मदन कश्यप का विशेष व्याख्यान

हिंदी विभाग, श्यामलाल कॉलेज द्वारा दिनांक 17 अक्टूबर, 2017 को 'कविता कैसे पढ़ें' विषय पर एक दिवसीय एकल व्याख्यान/संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। वरिष्ठ कवि मदन कश्यप इस व्याख्यान के मुख्य वक्ता थे। मदन कश्यप आधुनिक कविता के सशक्त हस्ताक्षर हैं। उनके पांच कविता संग्रह- लेकिन उदास है पृथ्वी, नीम रोशनी में, कुरूज, दूर तक चुप्पी, पनसोखा है इंद्रधनुष प्रकाशित हैं। श्री मदन कश्यप ने विद्यार्थियों के सामने कविता की परिभाषा, रचना प्रक्रिया और कविता के मर्मस्थल की चर्चा की। कविता की बारीकियों और उसे पढ़ने के तरीके को लेकर चर्चा की। कॉलेज के प्राचार्य श्री रविनारायण कर ने केदारनाथ सिंह का स्वागत पुष्प गुच्छ और स्मृति चिह्न भेंट करके किया। अपने वक्तव्य में प्रोफेसर कर ने केदरानाथ सिंह के कॉलेज आगमन को एक गौरवशाली क्षण बताया और विद्यार्थियों से उनसे प्रेरणा लेने को कहा। विभाग के विद्यार्थियों ने केदारनाथ सिंह की कुछ कविताओं का पाठ उनके सामने किया और फिर उन्हीं कविताओं का पाठ केदारनाथ सिंह द्वारा भी किया गया, जिससे विद्यार्थियों को कविता को पढ़ने की बारीकियों का पता चला। बाद में विद्यार्थियों की मांग पर केदारनाथ सिंह ने अपनी कुछ प्रसिद्ध कविताओं, मसलन बनारस का पाठ भी किया। इस कार्यक्रम का फेसबुक लाइव से भी प्रसारण किया गया और इससे काफी संख्या में एनी कॉलेजों के शिक्षक भी इस व्याख्यान से जुड़े। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए हिंदी विभाग के प्रभारी श्री अमिताभ राय ने केदारनाथ सिंह के वक्तव्य के मुख्य बिंदुओं को रेखांकित करते हुए हिंदी कविता को उनके अवदान से विद्यार्थियों से परिचित कराया और हिंदी विभाग तथा श्यामलाल कॉलेज की तरफ से उन्हें कॉलेज में पधारने के लिए धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम का संचालन विभाग के विद्यार्थियों द्वारा किया गया। विभाग के सभी सदस्य और छात्रों की इस कार्यक्रम में उत्साहजनक उपस्थिति रही। दूसरे विभागों के शिक्षक भी श्री केदारनाथ सिंह को सुनने के लिए आए। कुल मिलाकर यह आयोजन काफी सफल रहा।

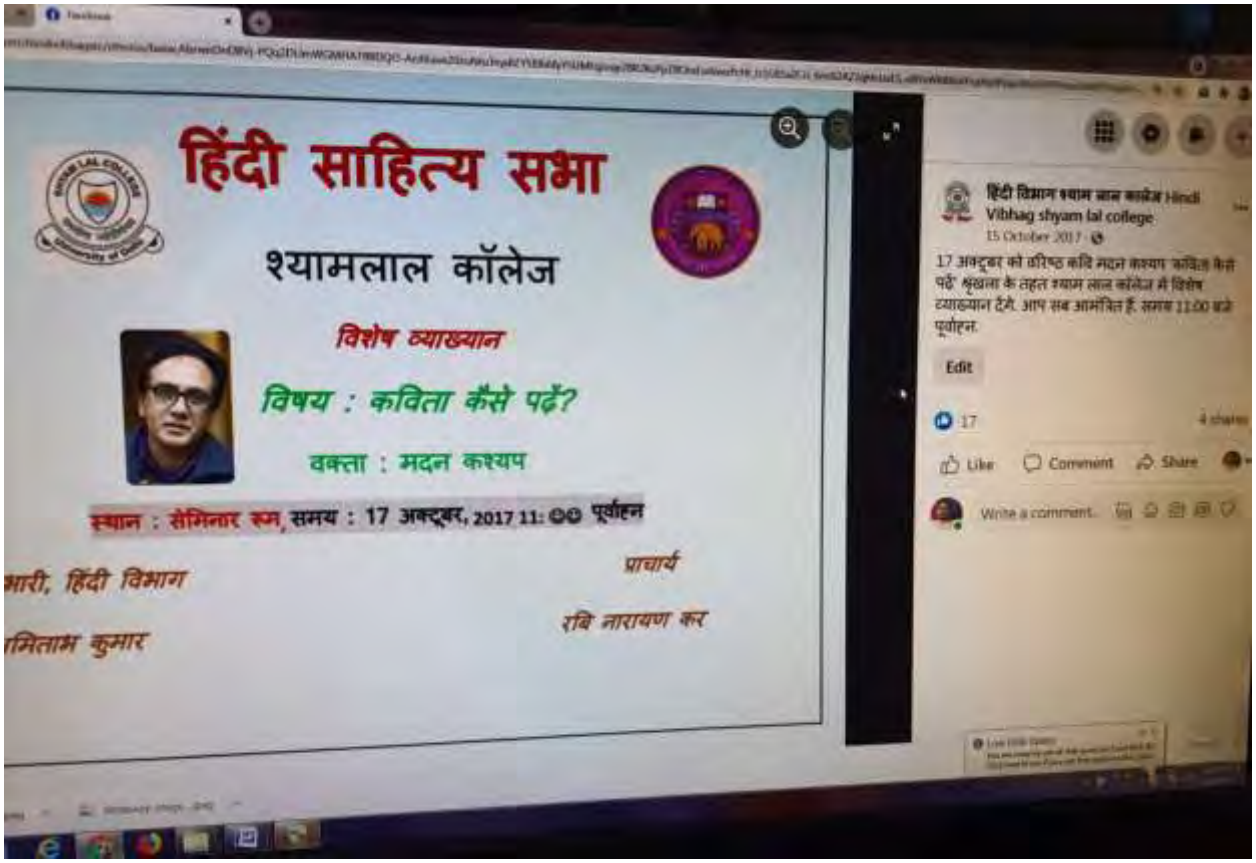

Figure 1 सोशल मीडिया में कार्यक्रम की जानकारी.

Figure 2 वरिष्ठ कवि मदन कश्यप का व्याख्यान.